IV. औद्योगीकरण का युग

1. ब्रिटेन में औद्योगीकरण

औद्योगिक क्रांति के कारण और प्रभाव

- **प्रमुख कारण:**
- **कृषि क्रांति:** अधिशेष खाद्य उत्पादन ने मजदूरों को कारखानों में काम करने की अनुमति दी।
- **जनसंख्या वृद्धि:** श्रम आपूर्ति और उपभोक्ता मांग में वृद्धि।
- **पूंजी संचय:** व्यापार और उपनिवेशवाद से प्राप्त धन ने औद्योगिक उद्यमों को वित्तपोषित किया।
- **तकनीकी नवाचार: स्पिनिंग जेनी** (1764) और **स्टीम इंजन** (1769) जैसे आविष्कारों ने उत्पादन में क्रांति ला दी।
- **प्रभाव:**
- **शहरीकरण:** मैनचेस्टर और बर्मिंघम जैसे शहरों में ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन।
- **श्रम में परिवर्तन:** कृषि आधारित कार्य से कारखाना आधारित कार्य में परिवर्तन, जिससे नए सामाजिक वर्ग उत्पन्न हुए।
- **आर्थिक विकास:** पूंजीवाद और वैश्विक व्यापार नेटवर्क का उदय।

प्रौद्योगिकी की भूमिका

- **स्टीम इंजन (जेम्स वॉट):**
- कारखानों, खानों और परिवहन (जैसे रेलवे) को शक्ति प्रदान की।
- **मुख्य प्रभाव:** बड़े पैमाने पर उत्पादन को संभव बनाया और मानव श्रम पर निर्भरता कम की।
- **स्पिनिंग जेनी:**
- एक कार्यकर्ता को एक साथ कई धागे कातने की अनुमति दी।
- **महत्व:** कपड़ा उत्पादन को बढ़ावा दिया और यांत्रिकीकरण की नींव रखी।
- **पावर लूम:**
- बुनाई को स्वचालित किया, जिससे टेक्सटाइल मिलों में दक्षता बढ़ी।

परीक्षा सुझाव: तकनीकी नवाचार और आर्थिक परिवर्तन के बीच अंतर्संबंध पर ध्यान केंद्रित करें।

SATHEE

© 2023-2025 Copyright SATHEE

2. भारत में औद्योगीकरण

ब्रिटिश नीतियां और उद्योगों का विकास

- **ब्रिटिश औपनिवेशिक नीतियाँ:**
- **विऔद्योगीकरण:** भारी करों लगाकर और स्थानीय व्यापार पर प्रतिबंध लगाकर ब्रिटिश नीतियों ने भारतीय हस्तशिल्प (जैसे कपड़ा, हस्तशिल्प) को दबा दिया।
- **ब्रिटिश माल का आयात:** सस्ते ब्रिटिश कपड़ों ने भारतीय बाजार को भर दिया, जिससे पारंपरिक उद्योग नष्ट हो गए।
- **उद्योगों का विकास:**
- **औपनिवेशिक बुनियादी ढांचा:** कच्चा माल (जैसे कपास) निर्यात करने और ब्रिटिश माल आयात करने के लिए रेलवे और बंदरगाहों का निर्माण किया गया।
- **कृषि में परिवर्तन:** ब्रिटिश उद्योगों के लिए नकदी फसलें (जैसे नील, जूट) उगाने को प्रोत्साहित किया गया।

पारंपरिक शिल्प और रोजगार पर प्रभाव

- **हस्तशिल्प का पतन:**
- बुनकर, कुम्हार और शिल्पकार ब्रिटिश मशीनरी से प्रतिस्पर्धा के कारण अपनी आजीविका खो बैठे।
- **उदाहरण: कलकत्ता जूट उद्योग** और **मुग़लकालीन कपड़ा उत्पादन** में गिरावट।
- **रोजगार संकट:**
- शिल्पकार बेरोजगार हो गए, जिससे गरीबी हुई और शहरों की ओर पलायन हुआ।

परीक्षा सुझाव: ब्रिटिश औद्योगीकरण और औपनिवेशिक शासन के तहत भारत के विऔद्योगीकरण के बीच अंतर को उजागर करें।

3. रेलवे और संचार की भूमिका

नियंत्रण के साधन के रूप में रेलवे

- **आर्थिक नियंत्रण:**
- रेलवे ने ग्रामीण क्षेत्रों से कच्चा माल (जैसे कपास) औद्योगिक केंद्रों तक पहुँचाया।
- भारत में ब्रिटिश माल के निर्यात को सुगम बनाया।
- **राजनीतिक नियंत्रण:**
- सैनिकों को तेजी से भेजकर ब्रिटिश ने विद्रोहों (जैसे **1857 का विद्रोह**) को दबाने में सक्षम बनाया।
- दूरस्थ क्षेत्रों को औपनिवेशिक प्रशासन से जोड़ा।

SATHEE

© 2023-2025 Copyright SATHEE

टेलीग्राफ और समाचार का प्रसार

- **टेलीग्राफ:**
- ब्रिटिश और भारतीय शहरों को जोड़ा, जिससे त्वरित संचार संभव हुआ।
- **महत्व:** राजनीतिक घटनाओं (जैसे अकाल, विद्रोह) और औपनिवेशिक नीतियों के समाचार फैलाने में मदद की।
- **समाज पर प्रभाव:**
- वैश्विक घटनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ी, जिससे परस्पर संबंध की भावना पैदा हुई।

परीक्षा सुझाव: आर्थिक और राजनीतिक वर्चस्व की ब्रिटिश रणनीति से रेलवे और टेलीग्राफ को जोड़ें।

4. औद्योगिक श्रमिक और उनकी स्थितियाँ

बाल श्रम और शहरीकरण

- **बाल श्रम:**
- बच्चे खतरनाक परिस्थितियों में लंबे समय तक कारखानों में काम करते थे।
- **उदाहरण:** सूती मिलों में बच्चों को चोटें और स्वास्थ्य समस्याएँ थीं।
- **शहरीकरण:**
- शहर भीड़भाड़ वाले हो गए, जिससे खराब स्वच्छता और बीमारियाँ फैलीं।
- **उदाहरण: मैनचेस्टर** और **कलकत्ता** की झुग्गियों में कई औद्योगिक श्रमिक रहते थे।

श्रमिक आंदोलन

- **यूनियनों का गठन:**
- श्रमिकों ने बेहतर मजदूरी और स्थितियों की मांग के लिए हड़तालें कीं (जैसे **1842 की लंदन हड़ताल**)।
- **प्रमुख परिणाम:** बाल श्रम और कार्य घंटों को नियंत्रित करने वाले **फैक्टरी एक्ट** (1844) का निर्माण हुआ।
- **चुनौतियाँ:**
- ब्रिटिश अधिकारी अक्सर आर्थिक व्यवधान के डर से हड़तालों को दबा देते थे।

परीक्षा सुझाव: श्रमिकों के सामने आने वाली सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों और श्रम अधिकारों के उदय पर ध्यान दें।

5. कृषि पर औद्योगीकरण का प्रभाव

कुटीर उद्योगों का पतन

- **कुटीर उद्योग:**
- पारंपरिक हथकरघा बुनाई और हस्तशिल्प ब्रिटिश प्रतिस्पर्धा के कारण गिरावट में आए।
- **उदाहरण:** ब्रिटिश कपड़ों के सस्ते होने पर **बंगाल का बुनाई उद्योग** ढह गया।
- **कृषि संकट:**
- किसानों को खाद्य फसलों के बजाय नकदी फसलें (जैसे नील, अफीम) उगाने के लिए मजबूर किया गया।
- **प्रभाव:** अकाल (जैसे **1876-78 का भीषण अकाल**) और ग्रामीण गरीबी हुई।

© 2023-2025 Copyright SATHEE

परीक्षा सुझाव: औद्योगीकरण और भारतीय कृषि के शोषण के बीच संबंध पर जोर दें।

मुख्य अवधारणाएँ और परिभाषाएँ

- **औद्योगिक क्रांति:** ब्रिटेन में प्रमुख औद्योगिक वृद्धि का काल (18वीं शताब्दी के अंत से 19वीं शताब्दी की शुरुआत)।
- **विऔद्योगीकरण:** ब्रिटिश औपनिवेशिक नीतियों के कारण भारत के पारंपरिक उद्योगों में गिरावट।
- **कुटीर उद्योग:** कपड़ा जैसे माल उत्पादित करने वाले लघु पैमाने के घर-आधारित उद्योग।
- **शहरीकरण:** काम के लिए ग्रामीण क्षेत्रों से लोगों का शहरों की ओर पलायन।

बोर्ड परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

1. **ब्रिटेन में औद्योगिक क्रांति के कारण क्या थे?**
2. **ब्रिटिश नीतियों ने भारत के कपड़ा उद्योग को कैसे प्रभावित किया?**
3. **ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन में रेलवे की भूमिका स्पष्ट कीजिए।**
4. **ब्रिटेन और भारत में औद्योगिक श्रमिकों की कार्य स्थितियों की व्याख्या कीजिए।**
5. **भारत में कुटीर उद्योगों के पतन में औद्योगीकरण ने कैसे योगदान दिया?**

आरेख (विवरणित)

- **स्टीम इंजन आरेख:** बॉयलर, पिस्टन और फ्लाईव्हील दिखाएं, यह उजागर करें कि यह किस प्रकार ऊष्मा को यांत्रिक ऊर्जा में परिवर्तित करता है।
- **रेलवे ट्रैक लेआउट:** परिवहन नेटवर्क को समझाने के लिए इंजन, पटरियां और स्टेशन शामिल करें।
- **कारखाना लेआउट:** औद्योगिक उत्पादन की व्याख्या के लिए मशीनें, श्रमिक और भंडारण क्षेत्र चित्रित करें।

ध्यान दें: सभी सामग्री एनसीईआरटी कक्षा 10 इतिहास (हमारा अतीत – III) और सीबीएसई दिशानिर्देशों के अनुरूप है। परीक्षा उत्तरों में कारण-प्रभाव संबंधों और औपनिवेशिक शोषण पर ध्यान केंद्रित करें।

{}

SATHEE

ब्रिटेन में कृषि क्रांति का निम्नलिखित में से कौन सा परिणाम था?

1. [x] अधिशेष खाद्य उत्पादन ने मजदूरों को कारखानों में काम करने की अनुमति दी
2. [ ] जनसंख्या वृद्धि
3. [ ] पूंजी संचय
4. [ ] तकनीकी नवाचार

© 2023-2025 Copyright SATHEE

किस आविष्कार ने एक कार्यकर्ता को एक साथ कई धागे कातने की अनुमति देकर कपड़ा उत्पादन में क्रांति ला दी?

1. [ ] स्टीम इंजन
2. [x] स्पिनिंग जेनी
3. [ ] पावर लूम
4. [ ] टेलीग्राफ

भारत के कपड़ा उद्योग पर ब्रिटिश औपनिवेशिक नीतियों का महत्वपूर्ण प्रभाव क्या था?

1. [ ] कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन
2. [x] भारी करों और स्थानीय व्यापार पर प्रतिबंध लगाकर विऔद्योगीकरण
3. [ ] ब्रिटिश वस्तुओं को बढ़ावा देना
4. [ ] उपरोक्त सभी

ब्रिटिश औपनिवेशिक नीतियों ने भारत के पारंपरिक उद्योगों को कैसे प्रभावित किया?

1. [ ] उन्होंने भारतीय हस्तशिल्प के विकास को बढ़ावा दिया
2. [x] उन्होंने भारतीय उद्योगों को दबाने के लिए भारी कर लगाए और स्थानीय व्यापार पर प्रतिबंध लगा दिया
3. [ ] उन्होंने ब्रिटिश वस्तुओं के उत्पादन को प्रोत्साहित किया
4. [ ] उनके कारण कुटीर उद्योगों का विस्तार हुआ

भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन में रेलवे की प्राथमिक भूमिका क्या थी?

1. [ ] ब्रिटिश वस्तुओं के निर्यात को सुगम बनाना
2. [ ] औपनिवेशिक प्रशासन से दूरस्थ क्षेत्रों को जोड़ना
3. [x] दोनों A और B
4. [ ] उपरोक्त में से कोई नहीं

ब्रिटेन में औद्योगिक क्रांति का निम्नलिखित में से कौन सा परिणाम था?

1. [ ] शहरीकरण
2. [ ] कृषि आधारित कार्य से कारखाना आधारित कार्य में परिवर्तन
3. [ ] आर्थिक विकास
4. [x] उपरोक्त सभी

© 2023-2025 Copyright SATHEE

कपड़ा मिलों में बुनाई प्रक्रिया को स्वचालित करने के लिए कौन सा आविष्कार महत्वपूर्ण था?

1. [ ] स्पिनिंग जेनी
2. [x] पावर लूम
3. [ ] स्टीम इंजन
4. [ ] टेलीग्राफ

भारतीय कृषि पर ब्रिटिश औपनिवेशिक नीतियों का महत्वपूर्ण प्रभाव क्या था?

1. [x] नील और जूट जैसी नकदी फसलों को प्रोत्साहन
2. [ ] खाद्य फसलों को बढ़ावा देना
3. [ ] आत्मनिर्भरता में वृद्धि
4. [ ] उपरोक्त सभी

भारत में कुटीर उद्योगों के पतन में निम्नलिखित में से कौन सा प्रमुख कारक था?

1. [x] स्थानीय व्यापार को दबाने वाली ब्रिटिश औपनिवेशिक नीतियाँ
2. [ ] भारतीय औद्योगीकरण का विकास
3. [ ] ग्रामीण रोजगार में वृद्धि
4. [ ] उपरोक्त सभी

श्रम परिवर्तनों के संदर्भ में औद्योगिक क्रांति का निम्नलिखित में से कौन सा परिणाम था?

1. [ ] कृषि आधारित कार्य से कारखाना आधारित कार्य में परिवर्तन
2. [ ] पूंजीवाद का उदय
3. [ ] शहरीकरण
4. [x] उपरोक्त सभी {}

SATHEE

© 2023-2025 Copyright SATHEE